वर्ष : 5 अंक 7 मूल्य : 20 रूपये दिसम्बर 2008

यूथ हैम्पस

मासिक पत्रिका

समाचार संसार

श्री कृष्ण की लीलास्थली में विनाश लीला

श्री वृन्दावनी फाउन्डेशन के अध्यक्ष व संस्थापक श्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि ब्रज में श्री राधा कृष्ण की लीलास्थलियों को डायनामाइट से उड़ाया जा रहा है। हिन्दुओं के ऊपर यह अत्याचार राजस्थान की कामां तहसील में हो रहा है, जो ब्रज क्षेत्र में आती है। उ.प्र. के बरसाना क्षेत्र में भी स्टोन क्रेशर द्वारा पहाड़ियों का खनन जारी है। ब्रज में यह सब सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करके हो रहा है। सभी नियम कानूनों और पर्यावरण सम्बंधी दिशा निर्देशों की धज्जियाँ उड़ायी जा रहीं है और सारा खनना कार्य अवैध रूप से हो रहा है। उन्होंने केन्द्र सरकार और राज्य सरकार से तत्काल खनन कर रोक लगाने की माँग की। ब्रज शक्ति राधा रानी ने अपनी दिव्य लीलाएं की। यह सब लीलाएं ब्रज के पर्वतों पर, वनों में, कुण्डों पर या यमुना तट पर की गई। ब्रज में अनेक मनोहारी पर्वतमालाऐं हैं जिन पर भगवान ने जब वंशी बजाई तो ये पर्वत मोम की तरह मुलायम हो गए और उन पर संतों व भक्तों की प्रसन्नता के लिए भगवान के चरण चिन्ह सदा के लिए अंकित हो गए। कहीं इन पर्वतों पर भगवान के चरण चिन्हं हैं तो कहीं भगवान की गायों के खुरों के। कहीं श्री जी के आलता लगे चरणों के चिन्ह हैं तो कहीं अन्य लीलाओं से जुड़े प्रणाम। ब्रज के पर्वतों पर ऐसे सैकड़ों चिन्ह हैं जिनके पास बैठकर हजारों साल से सन्त और भक्त ध्यान करते आ रहे हैं। जिन पर कृपा हो गयी उन्हें इन चिन्हों से सम्बन्धित लीलाओं के दर्शन हुए।

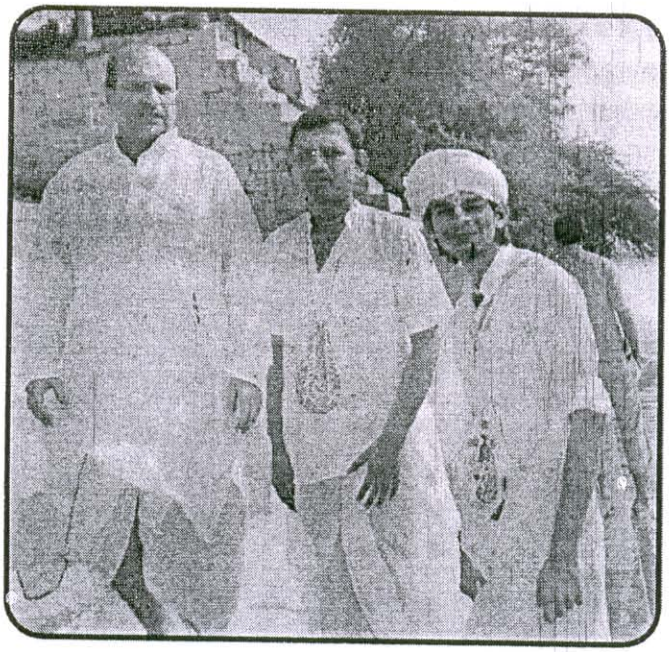

फाउन्डेशन के उपाध्यक्ष श्री धनंजय कुमार ने कहा कि ब्रज में जितने भी पर्वत हैं सभी का आध्यात्मिक महत्व है। गिरिराज जी साक्षात भगवान विष्णु का अवतार हैं और नंदग्राम में जिन नंदीश्वर पर्वत पर नंद बाबा का महल है वे स्वयं भोले शंकर हैं। इसी तरह बरसाना के चार पहाड़ जिन पर राधा रानी का भानुगढ़, दानगढ़, विलासगढ़ व मानगढ़ स्थित है वे चारों ब्रह्मा जी के चार मुख हैं। बरसाना के चारों ओर जो सुनहरा की पहाड़ियां हैं उनमें से आठ पर्वत शिखर आठ प्रशन सखियों के स्थान हैं। यहीं गेंदुआ गिरिराज नाम का पर्वत भी है जो किसी कल्प में गिरिराज धरण लीला का साक्षी था। इसी प्रकार कामा के आगे जो पर्वत शिखर है उनमें हिमालय के सभी शिखर जैसे कैलाश पर्वत, मैनाक पर्वत, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री आदि उपस्थित हैं। इसी प्रकार यहाँ विन्ध्याचल, गंधमादन, त्रिकूट, नर नारायण पर्वत आदि तमाम दूसरे आध्यात्मिक पर्वत भी विद्यमान हैं। भक्तजन पूरे वर्ष इन पर्वतें की पूजा और प्रदक्षिणा करने देश विदेश से आते रहते हैं। कार्तिक मास में उठने वाली ब्रज चौरासी कोस की हर यात्रा इन पर्वतों की प्रदक्षिणा करने आती हैं पाँच हजार वर्षों से पूजित इन पर्वतों को सरकार दिन रात डायनामाइट से उड़वा रही है। ऐसे दिव्य पर्वतों को तोड़ना करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं के साथ जघन्य खिलवाड़ है। माननीय रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव ने इस विषय को संसद में उठाया एवं जोरदार बहस करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल पर्वत खनन पर रोक की माँग की। केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप करके पर्वत खनन पर रोक लगा दी थी। लेकिन खान माफियाओं द्वारा दिव्य पर्वतों का खनन जारी है। श्री वृन्दावनी फाउन्डेशन भगवान श्री राधा कृष्ण की लीलास्थलियों के विनाश को रोकने के लिए देशव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। फाउन्डेशन के संयोजक अनिल कुमार सिंह ने कहा कि खापरा में गोविंद कुंड जहां भगवान ने बकासूर का वध किया था वहां जीर्णोद्धार कार्य शीघ्र ही शुरु किया जायेगा।